वर्ष :: 33 अंक : 50
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 10 सितंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

'टाइगर' को 'विजयांजलि'

बोले सीएम हेमंत- यह प्रचंड जीत 2024 का आगाज, चलेगी सिर्फ झारखंडियों की सरकार

रांची : झारखंड के डुमरी विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर इस जीत के लिए डुमरी विधानसभा की जनता और गठबंधन के समस्त नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि डुमरी की यह प्रचंड जीत 2024 का आगाज है। जनता ने ठान ली है कि झारखंड में सिर्फ जनतंत्र चलेगा, धनतंत्र नहीं। यहां सिर्फ और सिर्फ झारखंडियों की सरकार चलेगी। उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा और आजसू के छल और अहंकार का अब झारखंड से सूपड़ा साफ होना तय है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी को 'भाभी मां' से संबोधित किया।

संवाददाता

डुमरी/बोकारो : 'टाइगर'। झारखंड के सियासी जगत में इस उपनाम से मशहूर रहे राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. जगरनाथ महतो को उनके दुनिया से जाने के बाद भी जनता का जो स्नेह, समर्थन मिला, वह वास्तव में एक मिसाल है। मिसाल है विश्वास की, भरोसे की और सम्मान की। उनके असामयिक निधन पर डुमरी विधानसभा उपचुनाव में उनकी पत्नी बेबी देवी को शानदार जीत दिलाकर क्षेत्र की जनता ने एक प्रकार से स्व. महतो के प्रति अपनी श्रद्धांजलि दूसरे शब्दों में कहें तो अपनी विजयांजलि अर्पित की है। झारखंड में सतारूढ़ हेमंत सोरेन सरकार के शिक्षा मंत्री रहे स्व. जगरनाथ की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए डुमरी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल की कैबिनेट मंत्री आईएनडीआईए समर्थित झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी ने एनडीए गठबंधन की आजसू प्रत्याशी यशोदा देवी को काफी दिलचस्प मुकाबले में 17 हजार 153 मतों से शिकस्त दी। इसके साथ ही अपने पति की परम्परागत सीट को झामुमो की झोली में डालने में वह सफल रहीं। बेबी देवी 1,00,317 मत लाकर विजयी घोषित की गईं, वहीं ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) की यशोदा देवी 83,164 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तीसरे स्थान पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अब्दुल मोबिन रिजवी (3,472 मत) रहे। निर्दलीय रोशन लाल तुरी ने 1,898, कमल प्रसाद साहू ने 0,713 तथा नारायण गिरि ने 0,612 वोट प्राप्त किए। विगत 5 सितम्बर को मतदान हुआ था। झमाझम बारिश के बीच कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के घेरे में जिला निर्वाची पदाधिकारी उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा की उपस्थिति में मतगणना शुरू हुई। इस दौरान पहले राउण्ड से लेकर अंतिम राउण्ड तक झामुमो और आजसू प्रत्याशी के बीच वोटो की गिनती में उठा पटक का रोमांचक मुकाबला चलता रहा। 15वें राउंड तक यशोदा देवी की बढ़ रही, लेकिन उसके बाद बेबी देवी ने जो बढ़त बनानी शुरू की तो फिर पीछे नहीं हटीं। 24वें व अंतिम चक्र में उनकी यह बढ़त जीत में तब्दील हो गई। बता दें कि इस उपचुनाव के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा सरीखे कई दिग्गज नेताओं ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। यानी यह सियासी लड़ाई प्रतिष्ठा का विषय बन चुकी थी, जिस पर आखिरकार झामुमो फतह पाने में कामयाब रही।

अपने पति के सपने करुंगी साकार : बेबी

झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेता रहे पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. जगरनाथ महतो की पत्नी एवं झारखंड सरकार की मंत्री बेबी देवी ने डुमरी विधानसभा उप चुनाव में हुई जीत को लेकर कहा कि यह जीत डुमरी की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि उनके पति स्व. महतो ने क्षेत्र के विकास तथा झारखंडवासियों के उत्थान को लेकर एक सपना देखा था। उनका प्रयास रहेगा कि अपने पति के अधूरे सपने को डुमरी की सरजमीं पर समुचित विकास कर पूरा करूं।

3650 वोटरों को नहीं पसंद आया कोई भी उम्मीदवार

डुमरी विधानसभा क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव की पूरी निर्वाचन प्रक्रिया मतगणना के साथ ही संपन्न हो गई। इसके साथ ही बोकारो जिले में भी आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) समाप्त हो गई। बोकारो के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने काउंटिग के बाद बताया कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र में गिरिडीह जिले के डुमरी, निमियाघाट क्षेत्र में कुल 199 तथा बोकारो जिले के नावाडीह एवं चंद्रपुरा प्रखंड में कुल 174 मतदान केंद्रों पर 5 सितंबर को मतदान हुआ था। इस निर्वाचन का दूसरा पहलू यह भी रहा कि 3650 मत नोटा (नन ऑफ द अबव यानी उपर्युक्त से कोई भी नहीं) में इस्तेमाल किया गया। यानी इतने वोटर ऐसे रहे, जिन्हें एक भी प्रत्याशी रास नहीं आया। कुल मतदान की संख्या 1,93,902 रही, जिनमें वैध मतदान 1,93,826 एवं रद मतदान की संख्या 76 थी। बोकारो जिला समाहरणालय में आयोजित उक्त प्रेसवार्ता में डीसी श्री चौधरी के साथ पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, उप विकास आयुक्त कीर्ति श्री जी. व अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। डीसी-एसपी ने सफल निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होने पर इसे सफल बनाने में लगे प्रशासन के सभी पदाधिकारियों, कर्मियों और क्षेत्र की जनता को बधाई दी।

एकरारनामा 'सेल' के कोलियरी डिवीजन की तसरा ओपन कास्ट परियोजनाओं के लिए एमडीओ के साथ हुआ समझौता

'आत्मनिर्भर भारत' की ओर सेल का एक और बड़ा कदम अत्याधुनिक कोल वाशरी से होगी स्वच्छ कोयले की आपूर्ति

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : सेल/बोकारो स्टील प्लांट ने मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, हैदराबाद और मेसर्स पी सी पटेल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड वड़ोदरा की संयुक्त उद्यम कंपनी के साथ अपने कोलियरी डिवीजन के तसरा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के विकास और संचालन के लिए माइंस डेवलपर कम ऑपरेटर (एम.डी.ओ.) समझौते पर 28 वर्षों की अवधि के लिए 04 एम.टी.पी.ए. की दर से कोयला उत्पादन हेतु हस्ताक्षर किए। एम.डी.ओ. के समझौते के तहत अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एक कोल वॉशरी का निर्माण किया जायेगा जिससे कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को स्वच्छ कोयले की आपूर्ति होगी।

बोकारो स्टील के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार यह परियोजना स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और एमडीओ की नियुक्ति 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्टील उत्पादन के लिए घरेलू कोकिंग कोयले के आपूर्ति में इसका प्रमुख योगदान होगा। अनुबंध हस्ताक्षर समारोह में अतनु भौमिक, निदेशक-प्रभारी, राउरकेला स्टील प्लांट - अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट के साथ सेल / बी.एस.एल. कोलियरीज डिवीजन, प्रोजेक्ट डिवीजन और सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एस.ई.टी.) रांची के वरिष्ठ अधिकारियों और मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, हैदराबाद तथा मेसर्स पी सी पटेल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड वड़ोदरा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सामाजिक विकास में एक गेम चेंजर : भौमिक

समारोह के दौरान श्री भौमिक ने समझौते को अंतिम रूप देने में सेल टीम के प्रयासों की सराहना की और रेखांकित किया कि इस परियोजना का कार्यान्वयन सेल के आगामी विस्तार तथा तसरा के निकटवर्ती क्षेत्रों के सामाजिक विकास के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा।

– संपादकीय –

सनातन का अपमान

देश की राजनीति में आज कुछ ऐसे विद्रूप चेहरे सामने आ रहे हैं, जो भारतीय सभ्यता, संस्कृति के साथ-साथ भारत की अस्मिता को कलंकित और अपमानित करने में ही अपनी बहादुरी समझने लगे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे और वहां की सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म पर विवादित बयान देकर देश की एर बड़ी आबादी को आहत कर दिया है। इतना ही नहीं, स्टालिन के बयान के बाद कांग्रेस, राजद सहित भाजपा-विरोधी कई राजनीतिक दलों के नेताओं में बहुसंख्यक सनातन हिन्दू समुदाय को गालियां देने की होड़-सी लग गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि शायद इस कहानी की स्क्रिप्ट पिछले दिनों मुम्बई में हुई विरोधी दलों के 'आई.एन.डी.आई.ए.' गंठबंधन की बैठक में ही लिखी गई है। संभवतः यही वजह है कि सोनिया, राहुल, नीतीश, ममता सरीखे सारे बड़े नेता सनातन को दी जाने वाली गालियां सुनकर मजे ले रहे हैं। इन सबकी बोलती इस मुद्दे पर बंद है। जबकि दूसरी ओर सनातन के खिलाफ इस टिप्पणी से देश के धमार्चार्यों में रोष है। 'आई.एन.डी.आई.ए.' गंठबंधन के एक प्रमुख सहयोगी द्वारा सनातन के खिलाफ विवादित बयान देने को लेकर यह गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर है। विपक्षी गठबंधन के नेता उदययनिधि स्टालिन के सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी पर मुस्लिम समाज में भी नाराजगी है। उत्तर प्रदेश के मौलवियों ने उदयनिधि से माफी मांगने की मांग की है। साथ ही 'आई.एन.डी.आई.ए.' गंठबंधन से इस मामले में सफाई भी मांगी है। दरअसल, तमिलनाडु के सीएम के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने यह टिप्पणी कर विवाद पैदा कर दिया कि सनातन धर्म समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसे खत्म करने की जरूरत है। उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू से करते हुए कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि खत्म कर देना चाहिए। भाजपा जहां उदयनिधि के बयान को लेकर आक्रामक है और कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों की घेराबंदी में जुटी है, वहीं डीएमके नेता अपने बयान पर अड़े हुए हैं। डीएमके नेता उदयनिधि ने सनातन धर्म का नाम लेकर सारे हिन्दू संगठनों को ललकार दिया है। तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की बातें 'आई.एन.डी.आई.ए.' गंठबंधन के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, क्योंकि डीएमके इस नए गंठबंधन का एक मजबूत सहयोगी है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पसंदीदा पार्टी भी बनी हुई है। उदयनिधि के सनातन विरोधी बयान से वैसे ही बहुसंख्यक हिन्दुओं में आक्रोश है, इस बीच कर्नाटक सरकार के मंत्री परमेश्वर और बिहार के राजद अध्यक्ष जगतानंद सिंह ने हिन्दुओं की आस्था पर हमला कर इस आग में घी डालने की कोशिश की है। देश में एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिन्दू सनातन संस्कृति का गौरव-गान करने में लगे हैं। देश-विदेश में न सिर्फ सदियों पुराने धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार करा रहे हैं, बल्कि विभिन्न देवी-देवताओं की हजारों साल पुरानी मूर्तियों को भी विदेश से वापस ला रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस, आप, डीएमके और राजद के कुछ पाखंडी नेता हैं, जो हिन्दुस्तान में रहकर भी हिन्दू देवी-देवताओं का उपहास उड़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जब भारत जोड़ो यात्रा पर थे, उस समय केरल के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुधाकरन ने राम-सीता और लक्ष्मण पर शर्मनाक बयान दिया था। ऐसे में 'आईएनडीआईए' गंठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा सनातन और हिन्दुओं के विरोध में की जा रही आपत्तिजनक टिप्पणी से भाजपा को एक बड़ा मौका मिल जाना स्वाभाविक ही है। इतिहास गवाह है कि चाहे मुगल शासक रहे हों या अंग्रेज, लाख कोशिशों के बाद भी वे सनातन धर्म को नहीं मिटा सके, बल्कि वे खुद मिट गए। क्योंकि, सनातन का न आदि है, न अंत है। सनातन आज भी जीवित है और कल भी जीवित रहेगा। सनातन भारत की आत्मा है और आत्मा अजर-अमर है। सनातन हर जीव, यहां तक कि प्रकृति के कण-कण में ईश्वर का रूप मानता है। एकमात्र सनातन में ही ऐसी उदारता है, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः...' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्...' का संदेश देता है। यही कारण है कि हमारे देश के संविधान निर्माताओं ने भारत के संविधान के पन्नों पर भी सनातन की अमिट छाप छोड़ रखी है। पश्चिम के लोग भी अब सनातन धर्म को अपनाने लगे हैं। हमारा संविधान भी 'सर्व धर्म समभाव' के सिद्धान्त को मानता है। यहां किसी को भी धर्म-विशेष को अपमानित करने का अधिकार नहीं है। ऐसे में विपक्षी पार्टियों के नये गंठबंधन 'आईएनडीआईए' ने सनातन धर्म के विरोध को अगर अपना एजेन्डा बनाया है तो इसे देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। देश के नागरिकों को भी भारत की सनातन संस्कृति पर हमला करने वाले ऐसे नेताओं से सचेत और सावधान रहने की जरूरत है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

ये राजनीति नहीं, ओछापन है

लगातार दो लोकसभा चुनावों में करारी हार से बौखलाई कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने मिलकर भाजपानीत मोदी सरकार को बेदखल करने के मकसद से एक नया गठबंधन आईएनडीआईए तैयार तो कर लिया है, लेकिन राजनीति करते-करते इंडिया (भारत) की पारंपरिक विरासत, संस्कृति और सनातन के विरोध पर ये उतर गए, शायद इन्हें इसका भान भी नहीं रहा। मजेदार बात यह है कि सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के मकसद से बना यह गठबंधन तीन बैठकें हो जाने के बाद भी न तो अपना नेता तय कर सका है, न नीति और न कार्यक्रम। केंद्र सरकार के खिलाफ माहौल तैयार करने के लिए मुद्दे तलाश पाने मे नाकाम विपक्षी नेता जो पहले संघ, भाजपा और मोदी के खिलाफ बयानबाजी करते थे अब वे सनातन हिन्दू धर्म, उसके प्रतीकों, संस्कृति और धर्म साहित्य के साथ भारत तक के विरोध में खड़े दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, सनातन भारतीय संस्कृति से उनकी घृणा कोई नई नहीं है, लेकिन अब तो कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेता 'प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया' के स्थान पर 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' लिखे जाने पर आपत्ति जता रहे हैं। इससे नई बहस शुरू हो गई है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने की जुगत में लगे विपक्षी दल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने के लिए मुद्दे नहीं खोज पा रहे हैं। वे महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे उठाने की कोशिश तो कर रहे हैं, लेकिन इन मुद्दों पर जिन राज्यों में कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों की सरकारें हैं उनका प्रदर्शन कई भाजपा शासित राज्यों के मुकाबले खराब है।

एक तरफ दिल्ली में जी-20 सम्मेलन में पूरी दुनिया भारत की बढ़ती ताकत और नेतृत्व-क्षमता का लोहा मान रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के 'युवराज' पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देश और दुनिया में घूम-घूमकर चीखते हुए संघ, भाजपा और मोदी को नफरत का दुकानदार बताने में लगे हैं। राहुल ऐसा कर रहे हैं, जैसे मानो उन्होंने मोहब्बत की दुकान खोल रखी हो। लेकिन, वे खुद और उनके साथी जिस तरह के बयान देते फिर रहे हैं, उनसे देश में नफरत का माहौल ही बन रहा है। उनके गठबंधन की साथियों के साथ उनकी पार्टी के नेता भी देश की सांस्कृतिक विरासत से इस हद तक घृणा करते हैं कि सरकार के फैसलों का विरोध करने के लिए कांग्रेस के एक नेता ने सड़क पर गोहत्या कर दी। वामपंथी दलों से जुड़े लोग सनातन संस्कृति के प्रति नफरत का इजहार करने के लिए बीफ पार्टियों का आयोजन करते हैं। भारत की एकता और अखण्डता को चुनौती देते हुए 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे देश विरोधी नारे लगाए जाते हैं और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इनका भी बचाव करने की शर्मनाक कोशिश की जाती हैं।

अभी चंद्रयान 3 मिशन की कामयाबी ने पूरी दुनिया में अंतरिक्ष जगत में भारत के बढ़ते दबदबे को देखा और विपक्ष इस पर भी सियासत कर रहा है। चंद्रयान- 3 का विक्रम जिस स्थान पर चंद्रमा की सतह पर उतरा, उसका नाम 'शिवशक्ति' रखने का विरोध सिर्फ इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि शिव और आदि शक्ति सनातन के प्रतीक हैं। कुल मिलाकर हमारा भारत एक बार फिर विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर महज सत्तालोलुपता से युक्त राजनीति के जरिए तथाकथित नेता अपने देश की छवि को ही देश-दुनिया में घूम-घूमकर धूमिल करने से बाज नहीं आ रहे। इसे सियासत नहीं, ओछापन ही कहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी ने कभी संसद में सार्वजनिक रूप से कहा था- सरकारें आती रहेंगी, जाती रहेंगी, लेकिन यह देश रहेगा, तो ही हम सभी रहेंगे। इसलिए, राजनीति से पहले जब जनप्रतिनिधि देशहित की बातें सोचेंगे और विकास में हाथ बंटाएंगे, तो निश्चय ही हम महाशक्ति बनकर उभरेंगे और सौभाग्यवश भारत उस दिशा में आगे बढ़ भी चला है।

– प्रस्तुति : डी के वत्स

दरद पेट मे

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

किछु जन कें अछि दरद पेट मे
राजनीति केर चश्मा आँखि।
देशक गरिमा जाए रसातल
चाहथि उड़ैले खूजल पाँखि।।

लूटि देश केर खरबों खेलथि
तखन ने सूझल देशक हानि।
अरब खर्च क' चान पहुँचलहुँ
तै ले बैसि रहल छथि कानि।।

पेटकुनियाँ सँ दैत ठेहुनियाँ
संतति देखि होय हिय मोद।
आई जखन ओ दौड़ि पड़ल
देखि किए आबय मन क्रोध?

अपना शक्तिक ह्रास न सूझय
दोसर सुख सँ हिय अति क्षोभ।
देखि अपर कर छुच्छो रोटी
रहय न वश मन उपजय लोभ।।

अन्तरतर अवलोकन पहिने
तखन गनाबी अनकर दोष।
शुभ्र वसन मे दाग लगउने
ठाढ़ भेल छी तकर न होश?

सगर गाम केर चोर एक संग
जोर सँ चिकरय चोरी भेल।
ताका हेरी भेल ते देखल
सब सम्पति पहिने हरि लेल।।

स्वयं असिद्ध अनत की साधब
पहिने अपना मे करी सुधार।
सुरभित कुसुमित फुलबारी मे
काँटहु शोभय आदर पाबि ।।

मन में आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की...

बोकारो : बोकारो में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्साह चारों तरफ दिखा। शहर के सभी सेक्टरों, चास सहित आसपास के क्षेत्रों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। बुधवार-गुरुवार अर्द्धरात्रि भगवान श्री कृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिरों में सोहर और बधाई गीत गूंजने लगे। लगातार दो दिनों से इस्पातनगरी में चारों तरफ भगवान श्री कृष्ण के भजन गूंजते रहे। सोहर व बधाई गीतों का सिलसिला देर रात तक चला। मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। सेक्टर-2 स्थित कृष्णा मोड़ और रेलवे कालोनी के मंदिर सहित सभी आयोजन स्थलों पर भक्त श्रद्धाभाव से श्रीकृष्ण की पूजा में रमे रहे। सेक्टर-2 में कृष्णा मोड़ स्थित कृष्ण मंदिर, सेक्टर-12 में मेले लगाये गये हैं। इसमें बच्चे जहां रंग-बिरंगे झूलों तथा तरह-तरह के खाद्य पदार्थों वाले स्टालों का आनंद लेते देखे गए, वहीं भक्ति के साथ-साथ आनंद का अनुपम समागम देखने को भी मिला। इस्कॉन परिवार की ओर से भी भव्य पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एक हफ्ते में पूरे होंगे हवाई अड्डा के बाकी काम

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की टीम ने लिया जायजा, दिए निर्देश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो हवाई अड्डा से व्यावसायिक उड़ान शुरू किए जाने से पहले सुरक्षा पहलुओं के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की टीम बोकारो एयरपोर्ट पहुंची। टीम के साथ पहुंचे रांची एयरपोर्ट के डायरेक्टर अनिल कुमार कश्यप ने हवाई अड्डे में पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बातचीत की। उसके बाद टीम की ओर से हवाई अड्डा का निरीक्षण किया गया। टीम की ओर से एटीसी टावर, यात्री लॉन्ज, चहारदीवारी सहित प्लेन के लैंडिंग के लिए चिह्नित स्थान का निरीक्षण किया।

जहां विमान की पार्किंग होगी, उस जगह की भी जांच की गई। किस जगह अग्निशमन विभाग की गाड़ी रहेगी, कहां कौन सी व्यवस्था उपलब्ध रहेगी, उन सभी जगहों का बारीकी से निरीक्षण किया गया।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के रीजनल डायरेक्टर लकड़ा ने एसपी प्रियदर्शी आलोक, सार्जेंट मेजर अश्विनी कुमार, ज्वाइंट जीएम सिक्यूरिटी ईस्टर्न रीजन कोलकाता के प्रफुल्ल सिंघा, सेल के सीजीएम एविएशन लक्ष्मी दास, एजीएम प्रदीप कुमार सोयं, कम्युनिकेशन सिस्टम के सीनियर मैनेजर सौरभ कुमार के साथ बैठक कर विभिन्न सुरक्षा से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। उसके बाद इमरजेंसी में अगर हवाई जहाज को हाईजैक कर लिया जाता है तो ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा किस प्रकार की जाएगी, उसके लिए भी स्थान चिन्हित किया गया। पैसेंजर की सुरक्षा मानक के अनुसार किस प्रकार हो, उस पर चर्चा की गई। बम निरोधक दस्ता किस तरह काम करेगा, उस पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

रांची एयरपोर्ट के डायरेक्टर कश्यप ने कहा कि इसके बाद डीजीसीए की टीम बोकारो एयरपोर्ट का निरीक्षण करेगी।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के रीजनल डायरेक्टर ने एयरपोर्ट के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो काम बाकी है, उसे एक सप्ताह के अंदर पूरा कर लिया जाए।

उन्होंने वॉच टावर लगाए जाने वाले चिह्नित स्थान को देखकर उसकी सराहना की। लोकेशन को अच्छी तरह से देखा। उसके बाद अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिया गया। एयरपोर्ट से सटे झोपड़ी और बूचड़खानों के बारे में टीम की ओर से कहा गया कि डीजीसीए की टीम द्वारा उस संदर्भ में जिस प्रकार के दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, उसके अनुसार काम किया जाएगा। मौके पर एयरपोर्ट मैनेजर प्रिया सिंह, इंजीनियर सन्नी कुमार आदि मौजूद थे।

डेंगू, चिकनगुनिया को ले सरकार गंभीर नहीं : डॉ. लंबोदर

बोकारो : गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने राज्य में मच्छरजनित बीमारी डेंगू एवं चिकनगुनिया के बढ़ते प्रकोप पर राज्य सरकार की उदासीनता पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार से डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, उससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली का भी पता चलता है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं कि डेंगू एवं चिकनगुनिया का प्रकोप पहली बार आया है, बल्कि इस बार इसका प्रकोप कुछ तेजी से बढ़ रहा है और इसको लेकर स्वास्थ्य महकमा द्वारा पूर्व में तैयारी नहीं करना तथा लोगों की जान सांसत में डालना कहीं से भी व्यावहारिक नहीं है। इसे लेकर आमजन स्वयं सजग रहें।

गुड न्यूज बोकारो में नवनिर्मित ऊपरी पुल व लिफ्ट का उद्घाटन, सुविधाओं में इजाफा

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का होगा बोकारो रेलवे स्टेशन : सांसद

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन परिसर में यात्रियों को बेहतर सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक नवनिर्मित पैदल ऊपरी पुल एवं दो लिफ्ट का लोकार्पण धनबाद के सांसद पशुपति नाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर विधायक बिरंची नारायण, आद्रा मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (समन्वय) विकास कुमार एवं आद्रा मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर आद्रा मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला ने आद्रा मंडल में अमृत भारत योजना के अंतर्गत बोकारो स्टील सिटी स्टेशन पर होने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी।

सांसद पशुपति नाथ सिंह ने कहा कि बोकारो रेलवे स्टेशन का कायाकल्प नागरिक सुविधाओं के दृष्टिकोण से व्यापक रूप से होने जा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार जिस योजना की घोषणा करती है, उसे मूर्त रूप भी प्रदान करने का काम करती है। कुछ दिनों के बाद लोग बोकारो स्टेशन को देखने पर निश्चित रूप से कहेंगे कि बोकारो स्टील सिटी स्टेशन अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर तरह का जन उपयोगी बदलाव कर रही है।

मौके पर बोकारो के क्षेत्रीय रेल प्रबंधक पीयूष कुमार, डीसीएम विकास कुमार, डीओएम अविनाश कुमार, डीईएन प्रेम प्रकाश कुमार, भाजपा नेता भैया आर एन ओझा, कमलेश राय, संजय त्यागी, विद्या सागर सिंह, पीयूष आचार्या, मृगेंद्र प्रताप सिंह, शंकर रजक, अनिल सिंह, विनय किशोर, हसन शेख, बैधनाथ प्रसाद, मनोज कुमार सिंह, सुशील तिवारी, धनंजय चौबे, नीरज कुमार, राम सुमेर सिंह, नागेंद्र पुरी, मोंटी सिंह, संजय गुप्ता, कन्हैया सिंह आदि मौजूद थे।

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, 7 दिन में 125.5 मिमी बारिश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में विगत कई दिनों से लगातार जारी बारिश को देखते हुए ऐसा लग रहा कि मानसून ने अपनी रफ्तार पकड़कर अपनी मौजूदगी का अहसास करा दिया है। केवल गुरुवार-शुक्रवार को दो दिनों में ही जिले में लगभग 48 मिमी बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को 25.6 मिलीमीटर तथा गुरुवार को 22 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची की ओर से जारी वेदर बुलेटिन के अनुसार विगत सात दिन की अवधि में जिले में 125.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। 1 जून 2023 से 09 सितंबर तक जिले में कुल 621.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि, यह सामान्य वर्षापात से 162.5 मिमी अबतक कम है, लेकिन एक हफ्ते में ही जिस तरह मानसून ने अपनी रफ्तार बढ़ाई है, उससे लगता है मानसून सामान्य रह सकता है। आनेवाले हाल के दिनों में भी यही रफ्तार रहने की संभावना है। हालांकि, बारिश के कारण आम जनजीवन को थोड़ी परेशानी भी हुई। भीषण बारिश के कारण चास की विभिन्न कॉलोनियों में निचले इलाकों में बरसात का पानी भर गया। इसकी वजह से लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़कें तालाब बन गईं। नालियां उफना गईं और निचले इलाके में लोगों के घरों में भी पानी घुस गया।

भ्रष्टाचार-मुक्त भारत का लें संकल्प : पांडेय

डीवीसी में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सतर्कता जागरुकता अभियान आरंभ

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन के सतर्कता विभाग की ओर से भारत सरकार के पीआईडीपीआई कार्यक्रम के तहत संगीत कार्यक्रम के साथ सतर्कता जागरुकता अभियान की शुरुआत हुई। स्थानीय केंद्रीय विद्यालय और डिनोबली विद्यालय की छात्राओं ने भ्रष्टाचार-मुक्त भारत से संबंधित संगीत-प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। तीन महीने तक चलाये जाने वाले सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्कूली छात्राओं ने रिश्वत लेने से अच्छा था, भिक्षा लेकर जी लेते... और माता-पिता ने पढ़ा- लिखाकर अफसर बना दिया, आज देखकर लगता है, बड़ा गुनाह किया... जैसे गीत सुनाकर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारी के मन में भ्रष्टाचार के प्रति घृणा पैदा करने की कोशिश की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक सह- परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति पेट काटकर अर्थात कम खाना खाकर अपना जीवन-यापन करता है और भ्रष्टाचार में लिप्त लोग उसका भी शोषण करते हैं। इससे दुर्भाग्य की बात और कुछ नहीं हो सकती। हटाओ भ्रष्टाचार, भगाओ भ्रष्टाचार के संकल्प को उन्होंने दोहराते हुए कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत हम सभी का संकल्प है। भारत सरकार ने पीआईडीपीआई कार्यक्रम के तहत लोगों को जागृत की है। इसमें हम सभी लोगों को शामिल होकर भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकल्प लेना अति आवश्यक है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश शाह, मुख्य महाप्रबंधक पी के मिश्रा, उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टी टी दास, उप महाप्रबंधक के के सिंह, मानवेंद्र प्रियदर्शी दिलीप कुमार, महावीर ठाकुर, डॉ परमवीर कुमार, सतर्कता पदाधिकारी राज कुमार चौधरी, अक्षय कुमार, सुमन कुमार आदि उपस्थित थे।

बीटीपीएस में सतर्कता जागरुकता की मुहिम शुरू

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल के तत्वावधान में आगामी तीन महीने का सतर्कता जागरुकता की मुहिम शुरू हुई। पावर प्लांट स्थित तकनीकी भवन के सम्मेलन कक्ष में सतर्कता विभाग द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन डीवीसी के एचओपी एनके चौधरी, वरीय महाप्रबंधक एसएन प्रसाद, महाप्रबंधक (विद्युत) एस भद्रा, महाप्रबंधक (यांत्रिकी) एस भट्टाचार्य, डीजीएम बीजी होलकर ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में सतर्कता विभाग के डीजीएम तारीक सईद ने लोकहित प्रकृटिकरण एवं मुखबिर का संरक्षण संकल्प 2004 नियम के बारे में विस्तार से सभी को समझाया। कार्यक्रम में डीवीसी के सभी डीजीएम एवं वरिष्ठ प्रबंधक मौजूद थे। कार्यक्रम के सफल संचालन में सहायक प्रबंधक एचआर एएस अशरफ, शकील अहमद, शाहिद इकराम इत्यादि का सहयोग रहा।

डुमरी 'टाइगर' का था, 'टाइगर' का रहेगा : अनिल अग्रवाल

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरीय नेता सह नावाडीह प्रभारी अनिल अग्रवाल ने डुमरी विधानसभा उपचुनाव में अपनी पार्टी की उम्मीदवार एवं टाइगर के नाम से प्रसिद्ध रहे स्व. जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने डुमरी की जनता को बधाई देते हुए मिठाइयां बांटीं। उन्होंने कहा कि डुमरी विधानसभा में इंडिया गठबंधन समर्थित जेएमएम प्रत्याशी बेबी देवी की जीत पर तमाम डुमरी के जनता के साथ-साथ सभी गठबंधन दलों के लोग बधाई के पात्र हैं। कहा कि क्षेत्र की जनता से बेबी देवी को जिताकर स्वर्गीय टाइगर जगन्नाथ महतो को इस उपचुनाव में अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दी है। डुमरी टाइगर का था, टाइगर का ही रहेगा।

अपराध

रुपयों भरा एटीएम उखाड़ ले गए चोर, हाथ मलती रह गई पुलिस

चोरों ने पार की दुस्साहस की पराकाष्ठा

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में बेलगाम अपराधियों के दुस्साहस का एक बड़ा मामला सामने आया। दुस्साहसी चोर 14 लाख रुपए से भरी एटीएम ही उखाड़कर ले गए, वह भी उस जगह से जहां अक्सर पुलिस की गश्ती होती ही रहती है। दुस्साहस की यह पराकाष्ठा जिले के कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत बोकारो-रामगढ़ मुख्य मार्ग एनएच-23 स्थित बैंक ऑफ इंडिया कमलापुर (बहादुरपुर) शाखा की है। एटीएम और बैंक दोनों एक ही बिल्डिंग में है। एटीएम में 14 लाख रुपए भरे गए थे। चोरों ने सीसीटीवी कनेक्शन काट दिया, ताकि उनकी तस्वीरें न कैद हो सके।

इसके बाद चोर मशीन के नीचे की गई ढलाई को तोड़कर पूरी मशीन ही उखाड़ ले गए। उक्त एटीएम से 24 घंटे सेवा दी जा रही थी, इसलिए एटीएम का गेट हमेशा खुला रहता था। लेकिन, चोर एटीएम में लगे एक अन्य दरवाजे के दो तालों को तोड़कर अंदर घुसे थे। घटना के पांच मिनट बाद ही इसकी जानकारी बैंक व एटीएम बिल्डिंग के ऊपर दूसरे मंजिल में रहने वाले व्यवसायी साजिद अली को हुई। वह खटपट की आवाज सुनकर उठे थे और छत से ही चोरों को एटीएम मशीन एक ट्रॉली में लादकर धकेलकर ले जाते हुए देखा। यह देख उन्होंने तुरंत शाखा प्रबंधक संदीप प्रसाद को फोन कर सूचना दी। इसके बाद शाखा प्रबंधक ने कसमार पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच करने में जुट गई। पुलिस व बैंक अधिकारियों की जांच दिनभर जारी रही। खबर लिखे जाने तक जांच जारी थी, परंतु कोई अहम सफलता पुलिस को नहीं मिल सकी थी। पुलिस की पूछताछ में व्यवसायी साजिद ने बताया कि वह एटीएम से आती आवाजों को सुनकर वह उठे और बाहर निकले। इस दौरान देखा कि चोर एटीएम मशीन को ट्रॉली में लादकर ले जा रहे थे। इसमें तीन नकाबपोश चोर शामिल थे। पास में ही एक बाइपास में एक पिकअप वैन में एटीएम मशीन को डाला और ग्रामीण क्षेत्र की ओर वे फरार हो गए। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस हर बिंदु पर छानबीन कर रही है। बहुत जल्द वारदात का खुलासा किया जाएगा और अपराधी सलाखों के पीछे होंगे।

हफ्ते की हलचल

सनातन के खिलाफ बयानबाजी पर फूटा आक्रोश

बोकारो : सनातन धर्म के विषय में आक्षेपजनक तथा धार्मिक भावनाएं आहत करनेवाला वक्तव्य देने के खिलाफ बोकारो में भी लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। विभिन्न हिन्दू संगठनों के लोगों ने स्थानीय सिटी सेंटर में हिन्दू राष्ट्र जागृति आंदोलन के तहत धरना-प्रदर्शन का आयोजन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उक्त बयान को लेकर तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे तथा द्रमुक के सांसद ए. राजा के विरोध में अपराध प्रविष्ट कर उनपर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई। मौके पर भारतीय मजदूर संघ (भामसं) के कृष्ण रॉय, हिन्दू जनजागृति समिति के पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत राज्य समन्वयक शंभु गवारे, राजेश दुबे, संजीव कुमार (विश्व हिंदू परिषद), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशांत, अरुण केशरी एवं रंजीत प्रसाद, अनुरंजन कुमार आदि कई हिंदुत्वनिष्ठ एवं हिन्दूवादी संगठनों के सहभागी मौजूद रहे।

चिन्मय विद्यालय में गुरु उत्सव की रही धूम

बोकारो : चिन्मय विद्यालय में शिक्षक दिवस गुरु उत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया गया। शिक्षकों के द्वारा, शिक्षकों के लिए कई शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि सी.जी.एम. कुंदन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि आरती, आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर.एन. मल्लिक एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ने कहा कि शिक्षकों का समाज में अतुलनीय योगदान है। अतिथियों ने सत्र 2022-2023 में विशेष योगदान हेतु कई शिक्षक पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए गए। इस अवसर पर मुख्य समन्वयक नरमेन्द्र कुमार, गोपाल चंद्र मुंशी, विकास परिधारिया, संजीव सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन सोनाली गुप्ता एवं सुप्रिया चौधरी ने किया।

चुनौतियों पर विजय पाना सिखाते हैं शिक्षक : डॉ. गंगवार

बोकारो : शिक्षक बच्चों का भविष्य संवारकर राष्ट्र-निर्माण करने वाले वह कुंभकार हैं, जो न केवल शैक्षणिक, बल्कि बच्चों का चारित्रिक, मानसिक व शारीरिक सहित सर्वांगीण विकास करते हैं। उन्हें जीवन की चुनौतियों पर विजय पाने की कला भी सिखाते हैं। शिक्षक दिवस शिक्षकों के परिश्रम व समर्पण के प्रति कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करने का एक सुअवसर है। ये बातें डीपीएस बोकारो की प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहीं। मंगलवार को विद्यालय में धूमधाम के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया। इस दिवस को मनाए जाने की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए डॉ. गंगवार ने राष्ट्रहित में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के अवदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षक को एक मार्गदर्शक, पथ प्रदर्शक और विद्यार्थियों का सच्चा मित्र बताते हुए बच्चों को सदैव अपने गुरुजनों का सम्मान करने की प्रेरणा दी। इस दौरान बच्चों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। दूसरी तरफ, विद्यार्थी अपने शिक्षकों के रूप में नजर आए। बच्चों ने अपने प्रिय शिक्षक का रूप धर उन्हीं की भाव-भंगिमा के साथ क्लास ली और विशेष प्रार्थना-सभा का सफल आयोजन किया।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो में डीपीएस चास के दो छात्रों को कांस्य

बोकारो : ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से रांची के हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 14वें ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 में डीपीएस चास के दो छात्रों ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय सहित पूरे जिले का नाम रोशन किया है। इन छात्रों में कक्षा-3 के हार्दिक ने अंडर-23 किलो के सब जूनियर वर्ग में कांस्य पदक जीता। वहीं कक्षा-6 के अक्षत ने अंडर 38 किलो के सब जूनियर वर्ग में पदक जीता। कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने दोनों खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए बधाई दी।

जियाडा की बैठक में उद्यमियों की समस्याओं पर चर्चा

बोकारो : जियाडा की क्षेत्रीय निदेशक सह-बोकारो की उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री जी ने शनिवार को बोकारो औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों तथा बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों के साथ प्लांट लेबल कमेटी (पीएलसी) की महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में पूर्व में हुई बैठक के विभिन्न निर्णयों के अनुपालन एवं प्रगति की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जियाडा एवं बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस दौरान क्षेत्रीय निदेशक ने 50वीं पीएलसी के कुल 11 एवं 30वीं सब- पीएलसी के कुल 07 प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त 28 वीं, 29 वीं सब- पीएलसी एवं 490 पीएलसी की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन एवं प्रगति की भी जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की और उन्हें जरूरी दिशा- निर्देश दिये।

सरयू राय का नया 'धमाका', कहा-

रघुवर-राज में हुए बड़े घोटाले, ईडी करे जांच

संवाददाता

बोकारो : राज्य सरकार के पूर्व मंत्री एवं विधायक सरयू राय ने झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा केवल हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में हुए घोटालों की जांच किये जाने पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा कि ईडी की जांच केवल हेमंत सरकार के समय तक ही सीमित क्यों? उन्होंने ईडी से झारखंड में हुए घोटालों की जांच समग्रता में करने की मांग की है, ताकि घोटालेबाजों पर कार्रवाई हो सके।

उन्होंने कहा कि अगर ईडी ऐसा नहीं करती है तो उसके खिलाफ बाध्य होकर वे हाईकोर्ट तक जाएंगे। श्री राय यहां पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी बहुत आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसलिए कि जितने भी मामलों में हेमंत सोरेन के खिलाफ उन्होंने जांच की है, चाहे पत्थर घोटाला है, मनरेगा घोटाला है, रांची का जमीन घोटाला है, या फिर अभी एक और नया आया है, इनमें से दो में ईडी ने चार्जशीट दाखिल की है और चार्जशीट में बताया है कि हेमंत सोरेन के समय में पत्थर का जितना घोटाला हुआ, उससे पांच गुना घोटाला 2015 से 2019 के बीच में हुआ अवैध माइनिंग में।

यह ईडी की चार्जशीट में है। घोटालों का ब्योरा ईडी ने वर्षवार दिया है। अब मनरेगा घोटाला, जिसमें आईपीएस पूजा सिंघल जेल में बंद है, ईडी ने चार्जशीट किया है। जबकि, इन्हीं आरोपों में रघुवर दास जी ने 2018 में पूजा सिंघल को क्लीन चिट दे दी थी कि इनका कोई दोष नहीं है। ईडी को इसकी भी तो जांच करनी चाहिए। लेकिन, यहां ईडी ठिठक जा रही है। 2020 से आगे की जांच करती है तो पता चलता है कि इसकी जड़ तो 2015 से ही है। इसलिए मैं तो मांग करूंगा ईडी से कि आपने चार्जशीट में दिया है कि यह सब 2015 से हो रहा है तो 2015 से जो लोग थे, उनको भी तो बुलाकर पूछताछ करनी चाहिए। श्री राय ने सवाल खड़े किये कि हेमंत सोरेन को आप दो बार, तीन बार, चार बार समन थमा देते हैं, बाकी को आप इसलिए नहीं बुलाते हैं, क्योंकि वे भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं, नेशनल लीडर हैं।

2015 में 'उदित' हुए प्रेम प्रकाश

श्री राय ने कहा कि हेमंत सोरेन के साथ जितने किरदार, बिचौलिये हैं, इसमें प्रेम प्रकाश जैसे लोग हैं, ये प्रेम प्रकाश उस समय 2015 से ही उदित हुए। चार्जशीट में नाम है कि उनकी कम्पनी ने 2015, 16, 17 में अवैध ट्रांसपोर्टिंग की है। यही प्रेम प्रकाश, जब मुख्यमंत्री थे रघुवर दास जी तो उनके परिवार को लेकर तीर्थाटन कराते थे। रजरप्पा से लेकर देवघर तक जाया करते थे। अब जब रघुवर जी चुनाव हार गए तो 2020 में प्रेम प्रकाश ने एक गाड़ी खरीदकर उन्हें दी चढ़ने के लिए। प्रेम प्रकाश की गाड़ी का इस्तेमाल उन्होंने 2022 तक किया और जैसे ही यह मामला ट्वीटर पर आ गया, उसके बाद से वह गाड़ी गायब है।

हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

सरयू ने कहा- तो यह तो प्रमाण है न कि रघुवर दास जी ने घोटालेबाजों से सांठगांठ कर लाभ या छोटा ही लाभ लिया। इसलिए, ईडी से मैं यही कहूंगा कि मामले की जांच सम्पूर्णता में करे। जिस मामले में चार्जशीट दी है, उसमें 2020 और 2015 के बीच के लोगों से पूछताछ करे। ...और ईडी अगर यह नहीं करेगी तो बाध्य होकर हम लोगों को ईडी के विरोध में हाईकोर्ट जाना पड़ेगा कि आखिर ईडी अपनी जांच केवल हेमंत सोरेन के समय तक ही क्यों सीमित रख रही है? वह रघुवर दास के राज में क्यों नहीं जा रही है? उन्होंने जमशेदपुर के सूर्य मंदिर परिसर में भी घोटाले का आरोप लगाया।

इधर, ट्रांसफर-पोस्टिंग पर उठाए सवाल

सरयू राय ने भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवा के अधिकारियों के समय पूर्व ट्रांसफर, पोस्टिंग को लेकर सवाल उठाया है। उस संबंध में उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर मुख्य सचिव से भी सवाल करते यह जानना चाहा है कि अपने पद पर न्यूनतम निर्धारित अवधि पूरा करने के काफी पहले पूर्वी सिंहभूम के डीसी, एसएसपी जैसे अधिकारियों के स्थानांतरण करने के बारे में सिविल सर्विसेज बोर्ड की मीटिंग में क्या कारण अंकित किया गया है। मानसून सत्र 2023 के दौरान विधानसभा में उन्हें जानकारी दी गयी थी कि वर्ष 2020 में 65, 2021 मे 69 और 2022 में 80 प्रशासनिक पदाधिकारियों का स्थानांतरण राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल की निर्धारित न्यूनतम अवधि पूरा होने के पहले किया है। ये स्थानांतरण सिविल सर्विसेज बोर्ड में समीक्षोपरांत किये गये। इसके कुछ दिन पहले कार्यकाल की निर्धारित अवधि पूरा होने के काफी पहले पूर्वी सिंहभूम के डीसी का ट्रांसफर भी सरकार ने कर दिया था। अब 8 सितंबर को इसी जिले के एसएसपी और रांची के एसएसपी का स्थानांतरण भी उनके कार्यकाल की न्यूनतम निर्धारित अवधि पूरा होने के पहले कर दिया गया। सरकार का यह निर्णय एक केन्द्रीय अधिनियम के तहत जारी भारत सरकार की अधिसूचना 28.01.2014 और इसके आलोक में झारखंड सरकार द्वारा दिनांक 24.02.2015 को निर्गत अधिसूचना के तहत गठित सिविल सर्विसेज बोर्ड के प्रावधानों का उल्लंघन है।

हिन्दी काव्य-साहित्य में तुलसी के बाद भारतेन्दु ही लोकनायक : सुलभ

संवाददाता

पटना : हिन्दी के काव्य-साहित्य में महाकवि तुलसी दास के पश्चात लोक-जागरण के लिए जिसे 'लोक-नायक' कहा जा सकता है, उस महान साहित्यकार का नाम भारतेंदु हरिश्चन्द्र है। आधुनिक हिन्दी को, जिसे 'खड़ी-बोली' भी कहा गया, नया रूप गढ़ने में भारतेंदु का अवदान अद्वितीय ही। ये भारतेंदु ही हैं, जिन्होंने खडीबोली को अंगुली पकड़कर चलना सिखाया। इसीलिए हिन्दी साहित्य के इतिहास के इस युग को 'भारतेंदु-युग' के रूप में स्मरण किया जाता है। भारतेंदु के नाटक 'सत्य हरिश्चन्द्र' और 'अंधेर-नगरी' सौ साल बाद भी प्रासंगिक बने हुए हैं। उनके नाटक जन-मानस को झकझोरते और आंदोलित करते हैं। यह बातें शनिवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, भारतेंदु जयंती की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि अद्भुत प्रतिभा के इस कवि ने मात्र 35 वर्ष की अपनी कुल आयु में जो कमाल कर दिया वह हिन्दी साहित्य के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है।

इस अवसर पर, वरिष्ठ साहित्य-सेवी डा ललन पाण्डेय की पुस्तक 'वैदिक विभूतियों का सान्निध्य' का लोकार्पण भी किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत-विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो दीप्ति शर्मा त्रिपाठी ने कहा कि भारतेन्दु का समय खड़ी-बोली का संधि-काल था। उस समय हिन्दी-पट्टी की लोक-भाषाओं के बीच से एक नयी भाषा विकसित की जा रही थी। भारतेन्दु ने अपनी भाषा के संदर्भ में यह उक्ति बड़ी सार्थक है कि 'निज भाषा ऊन्नति अहै सब उन्नति को मूल'।

सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष जियालाल आर्य ने कहा कि भारतेन्दु खड़ी-बोली के जनक माने जाते हैं। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा. शंकर प्रसाद, डा. मधु वर्मा, वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, सुप्रसिद्ध फिल्मकार किरण कांत वर्मा, लेखक ललन पाण्डेय आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंध मंत्री कृष्णरंजन सिंह ने किया।

विवादित बयान के किए माफी मांगे मंत्री उदयनिधि : प्रदीप

रामगढ़ : विश्व ब्राह्मण संघ एवं विप्र फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के पुत्र एवं वहां की सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा धर्म का अपमान किये जाने पर रोष प्रकट करते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया का उपमा देते हुए सनातन धर्म समाप्त कर देने वाला विवादित बयान देकर उदयनिधि ने अपनी घटिया मानसिकता को दर्शाया है। विश्व ब्राह्मण महासंघ के मुख्य महासचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि उदयनिधि ने इस शर्मनाक, आपत्तिजनक बयान देकर करोड़ों सनातन धर्मावलम्बियों का जो अपमान किया है, उसका ब्राह्मण समाज एवं संयुक्त भारतीय धर्म संसद विरोध करता है तथा उदयनिधि से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग करता है।

आचार्य धीरेंद्र के कविता-संग्रह 'बहुरंग' का लोकार्पण

सीतामढ़ी : आचार्य धीरेन्द्र झा 'माणिक्य' द्वारा रचित कविता संग्रह 'बहुरंग' का लोकार्पण सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर प्रखंड में अवस्थित मानिकचौक ग्राम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्येन्द्र मिश्र ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. जी शंकर उपस्थित थे। मंच संचालन बिट्टू विश्वास ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई तथा मंगलाचरण राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक सुशील झा ने किया। कार्यक्रम में कई जिलों से आए चर्चित कवि, साहित्यकार उपस्थित थे। सत्येन्द्र मिश्र, डॉ जी शंकर, मुरलीधर झा 'मधुकर', डॉ आनन्द प्रकाश वर्मा, दिलीप कुमार शाही, रामबाबू 'नीरव', उदय सिंह 'करुणाकर' एवं गणेश झा ने बहुरंग का समीक्षात्मक विश्लेषण करने के साथ साथ उसके रचयिता आचार्य धीरेन्द्र झा 'माणिक्य' के व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला। अपनी कविताओं द्वारा बच्चा प्रसाद 'विह्वल', प्रकाश मोहन मिश्र, संजय चौधरी, राहुल कुमार चौधरी, रामबाबू सिंह, कौशल कुमार झा, जितेन्द्र झा 'आजाद', सुबोध कुमार ठाकुर, शत्रुघ्न यादव ने अपनी रचनाओं द्वारा सभा में सरस काव्य धारा प्रवाहित कर दी। मुखिया एकनाथ झा, पूर्व मुखिया पवन कुमार झा, पूर्व सरपंच वंशीधर झा ने अपने आशीर्वचन से कवि धीरेन्द्र 'माणिक्य' के 'बहुरंग' के प्रति शुभकामनाएं प्रकट की। सभा में किशोरी लाल मिश्र, प्रकाश कुमार, मुरली मनोहर, विवेक गुप्ता, दिगम्बर झा, इंद्र नारायण झा, चक्रधर झा, चिन्मयानंद ठाकुर, प्रशांत झा, माधव कुमार, ध्रुव कुमार, पुरुषोत्तम झा, चन्द्र किशोर ठाकुर आदि उपस्थित थे।

अनदेखी और लापरवाही का केंद्र बना प्रखंड संसाधन केंद्र

सीतामढ़ी : जिले के बोखरा प्रखंड में नया टोल स्थित प्रखंड संसाधन केन्द्र लापरवाही और अनदेखी का केन्द्र बन चुका है। इसका खुलासा प्रखंड प्रमुख सुधीर कुमार साह द्वारा केन्द्र के औचक निरीक्षण में हुआ। प्रातः लगभग साढ़े 10 बजे केंद्र में ताला लटका मिला, जिसे बाद में आदेशपाल के आने पर खोला गया। आधे घंटे के अपने निरीक्षण में श्री साह ने तीनों बीआरपी मोती कुमारी, मो. हैदर इमाम हाशमी और शिवनारायण झा को नदारत पाया। साह ने केंद्र के रख-रखाव को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। बताया कि बीआरसी में साफ-सफाई नही थी। शौचालय में गंदगी का अंबार लगा था, तो चापाकल खराब पड़ा था और नल से पानी नही निकल रहा था। सालाना राशि आवंटन के बावजूद बीआरसी भवन पर रंग-रोगन भी नही पाया गया। राय ने तीनों बीआरपी और आदेशपाल से स्पष्टीकरण मांगे जाने की बात कही है। कहा कि अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उनके विरुद्ध समुचित कार्रवाई की जाएगी।

मिथिला डायरी

चमत्कार से साक्षात्कार

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

मनुष्य को चमत्कार से अति प्रेम है। वह हमेशा से चाहता है कि उसकी समस्याओं का शॉर्टकट में निवारण हो जाए। इसलिए उसकी आंतरिक इच्छा है कि उसके गुरु ऐसे हों, जो चमत्कार करें। क्योंकि, तब उसे यह भरोसा होता है कि उसके गुरु सामर्थ्यवान हैं, उनमें शक्ति है कि वे उसकी समस्याओं को सुलझा देंगे। इसलिए, अक्सर बातचीत में कहा जाता है, मेरे गुरु ने हाथ घुमाया और दो सेब मुझे प्रसाद में दिया। उनकी कृपा अपरंपार है, मेरे गुरु चमत्कारी हैं।

चमत्कार के प्रति इस आकर्षण को धार्मिक ग्रंथों में बहुत बढ़ावा दिया गया है। वहां बतलाया गया है कि कैसे देवता अथवा ऋषि की कृपा मनुष्य के जीवन को पूर्णतया बदल देते हैं। रंक को राजा में बदल सकता है, असंभव संभव हो जाता है। इसलिए ईश्वर का प्रतिनिधित्व करने वाले गुरु से अपेक्षा की जाती है कि वह चमत्कार दिखाएं। क्या ग्रुप मैजिशियन हैं? अथवा वे मायावी हैं? मनुष्य के द्वारा चमत्कार की अपेक्षा करना अपने आराध्य, अपने ईश्वर से उम्मीद करना है कि वह उसके समस्त कष्टों को हर लेंगे। सूरदास लिखते हैं-

चरण कमल बंदों हरि राइ, जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै,
बहिरौ सुनै, गूंग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।

हरि की कृपा से अंधे देख लेते हैं, बहरे सुन लेते हैं, गूंगा पुनः बोलता है एवं रंक राजा की भांति सिर पर छात्र धरकर चलता है।

कृपालु हरि सभी कष्टों को हर देते हैं। कृपा का सिद्धान्त कर्म के सिद्धान्त के विपरीत है। संसार का कठोरतम सत्य है कि समय के आगे सभी विवश हैं। वह समय था, जिसने राम को 14 वर्ष के लिए वनवास को भेज दिया, वह समय था, जिसने द्रौपदी को भरी सभा में अपमानित किया था। कृपा से न तो वनवास की अवधि घटी, न द्रौपदी भरी सभा में आने से बची। फिर जब चमत्कार राम के साथ नहीं हुआ, तो आम जनों के साथ क्यों होगा? यहां पर चमत्कार के पक्षधर कर सकते हैं कि भरी सभा में द्रौपदी उघाड़े जाने से बची, श्री कृष्ण ने कभी ना खत्म होने वाले वस्त्र दिये।

चमत्कार की आदत है कि वह चीजों को अतिशयोक्ति से अतिरंजित कर देता है। जबकि, सत्य कुछ और भी हो सकता है। आसमान से पुष्पवर्षा इस अतिरंजना का हिस्सा है। हो सकता है, वसन्त का मौसम हो। द्रौपदी के क्रोध और उसकी आंखों में विनाश के लाल डोरे देखकर हो सकता है दुशासन सकपका गया, बेहोश हो गया।

गुरु के पास इस उम्मीद से जाना कि वह चमत्कार करेंगे, कुछ ऐसा है कि हमें भूख लगी हो और हम सोचें- खाना खुद ब खुद बनकर पेट में चला जाएगा। खाना खाने के लिए पकाना पड़ता है। गुरु चमत्कार करके अपने शिष्यों को आलसी नहीं बनाते। आलसी कर्म सिद्धान्त का शत्रु है।

गुरु कभी नहीं चाहेंगे कि उनके शिष्य आलसी बनें। 'अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम' के सिद्धांत को न अपनाएं। प्रकृति में किसी को बिना काम किए रहने की छूट नहीं है। इसलिए प्रकृति ने क्षुधा का प्रावधान बनाया। वृक्ष भी अपनी जड़ें गहरी करता है, जिससे उसे पानी, खाद, संसाधन मिल सके। फिर मनुष्य एवं पशुओं को भूख मिटाने के लिए दौड़-भाग करने से से छूट कैसे मिलेगी?

हर कोई जानता है कि जंगल में जब सुबह होती है तो हिरण एवं चीता दोनों भागते हैं। हिरण भागता है कि उसे शिकार नहीं बनना है और चीता भागता है, क्योंकि उसे पेट भरने के लिए शिकार करना है। यह जो क्षुधा पूर्ति के लिए भोजन क्रम है, उसका उद्देश्य प्रत्येक प्राणी को कर्मण्य बनाना है। कर्मण्येवाधिकारस्ते...। जानवर को जब भूख मिटाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है, प्रयास करने पड़ते हैं, तब मनुष्य इस नियम से अपवाद कैसे हो सकता है?

हिम्मत देती है गुरु कृपा

चमत्कार परिश्रम से भागने का उपाय नहीं है। प्रकृति समय अधीन है। समय को दर्शाती (रेत की घड़ी) एक स्त्री शरीर की भांति है। वह प्रकृति का रूपक है तथा बतलाती है कि समय से पहले कुछ नहीं मिलता है। हां! इस समय गुरु कृपा आपके कष्ट दूर करने में सहायक है। गुरु कृपा से हिम्मत मिलती है। असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को भी हिम्मत सहज कर देती है। जैसे हनुमान समुद्र पार चले गए, क्योंकि जामवंत ने उन्हें हिम्मत प्रदान की, श्री राम की भक्ति ने उन्हें बल दिया कि उनमें अथाह शक्ति है।

जीवन में जब भी कठिन स्थिति आए, उसे समय इस प्रश्न का उत्तर बार-बार सोचना चाहिए। इस संसार में मेरे आने का उद्देश्य क्या है? यह प्रश्न रुचिकर है। इसका उत्तर ज्ञान चक्षु खोलने वाला है।

इस जगत में मनुष्य कर्म बंधन के कारण आता है और सत्कर्मों के द्वारा अपने कर्म बंधन के गांठ, उसकी ग्रंथियां खोलता है। ग्रंथि का अर्थ गांठ है। मनुष्य के अन्दर हीनता, पश्चाताप, क्रोध यह सभी ग्रंथियों का रूप है। इन्हें दूर करने में साहस अनिवार्य है। करुणा एवं दया साहस में सहायक है।

अब यदि मनुष्य अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए अपने गुरु से चमत्कार की आशा करे तो वह अपने कर्म बंधन कैसे खोलेगा? कर्म बंधन काम करने से ही खुलेगा। विपरीत स्थिति में मनोबल बनाए रखकर काम करने के लिए हिम्मत चाहिए, जिसे गुरु देते हैं।

सच्चाई तो यह है कि साहस ही गुरु के द्वारा प्रदान किया गया चमत्कार है। लेकिन हर स्थिति में मनुष्य को अपने कर्म बंधन से अपने भाग्य दोष को खुद ही मिटाना होता है। यह काम गुरु चमत्कार के माध्यम से नहीं कर सकते हैं, क्योंकि गुरु प्रकृति के नियमों से बंधे हुए हैं। समय को काल, महाकाल, शिव कोई भी नाम दिया जाए, वह जगत के नियंता हैं एवं प्रकृति उस समय का सम्मान करती है। प्रकृति में सब कुछ समयानुसार होता है।

माली सींचे सौ घड़ा रुत आए फल होय।

गुरु में समय (शिव) एवं प्रकृति (शक्ति) दोनों का समावेश है। वे चमत्कार कर सकते हैं, परंतु नहीं करते हैं। क्योंकि, चमत्कार प्रकृति के नियम का उल्लंघन है। राम भी समुद्र पार जाने हेतु सेतु पर बांध बनाकर गए, वे समुद्र पर चलकर नहीं गए। उनके भाई लक्ष्मण मूर्छित हुए तो हनुमान संजीवनी लाने के लिए गए, राम ने चमत्कार करके अपने भाई को स्वस्थ नहीं किया। क्योंकि, चमत्कार मनुष्य को कामचोर बनाने का माध्यम है। दूसरा चमत्कार उस समय असर करता है, जब कर्म किया जाए। पुराने समय में जब माचिस नहीं थी तो दो पत्थर रगड़कर आग उत्पन्न की जाती थी। उसी प्रकार जीवन में कर्म एक पत्थर है तथा सब्र (समय की प्रतीक्षा) दूसरा पत्थर है। इन दोनों को निरन्तर रगड़ते रहने से चमत्कार होता है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

खांसी से छुटकारा दिलाने में काफी लाभप्रद हैं ये घरेलू नुस्खे

कभी बरसात, तो कभी उमस भरी गर्मी। इन दिनों घर-घर में लोग वायरल इंफेक्शन का शिकार हो रहे हैं। सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं आम हैं। खांसी की समस्या से निजात दिलाने में कई घरेलू नुस्खे हैं, जो काफी कारगर साबित हो सकते हैं, आइए जानते हैं-

- **हर्बल टी :** खांसी के घरेलू उपाय के रूप में आप हर्बल टी लें। यह काफी फायदेमंद है।

- **अदरक :** अदरक सूखी या दमा वाली खांसी का उपाय है।

- **हल्दी :** रात को सोते समय हल्दी वाला दूध पीना लाभप्रद है। हल्दी एंटीबायोटिक का काम करती है।

- **गर्म पानी :** गर्मी पानी का भांप लेना फायदेमंद होता है।

- **आँवला :** आंवला खांसी के लिए काफी असरकारी माना जाता है। आंवला में विटामिन-सी होता है, जो इम्यूनिटी बढ़ाता है।

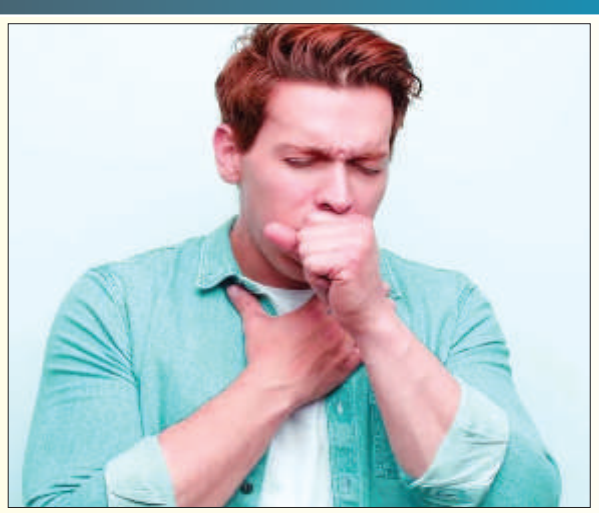

- **शहद :** आधा चम्मच शहद में एक चुटकी इलायची और कुछ नीबू का जूस डालें। इस मिश्रण को दिन में दो से तीन बार लें। यह घरेलू नुस्खा खांसी की रामबाण दवा साबित हो सकता है। केवल शहद के सेवन से सूखी खांसी का इलाज संभव है।

- **लहसुन :** लहसुन भी खांसी से राहत दिलाने में कारगर है। इसके लिए आपको लहसुन को घी में भून कर गर्मा-गरम खाएं।

- **अनार :** अनार का रस भी खांसी से राहत दिलाता है इसलिए अनार का रस पिएं।

- **तुलसी :** खांसी में तुलसी के अचूक फायदे हैं। इसका काढ़ा बनाकर पीने या पत्तियां चबाने से खांसी में लाभ मिलता है।

- **प्याज :** प्याज का सेवन खांसी की बीमारी का उपचार माना जाता है।

- **गिलोय :** गिलोय के प्रयोग से पुरानी से पुरानी खांसी ठीक हो सकती है।

- **मुलेठी :** मुलेठी का उपयोग खांसी में फायदेमंद है।

- प्रस्तुति : शशि

अतीत की परछाइयाँ - पुपरी का इतिहास

रामबाबू नीरव

वरिष्ठ साहित्यकार
पुपरी, सीतामढ़ी (बिहार)।

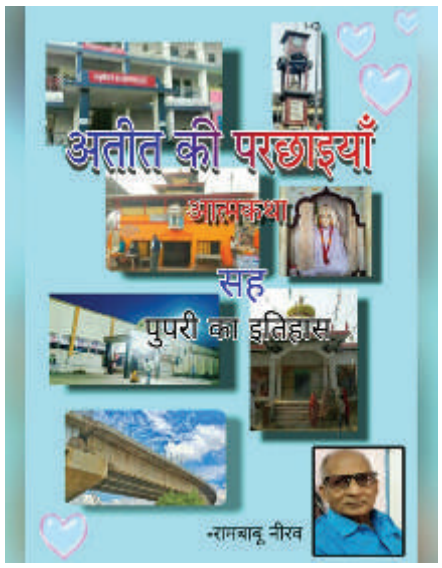

इतिहास लिखना बहुत ही कठिन और श्रमसाध्य कार्य है। एक तरह से अंगारों पर चलने जैसा कार्य। यह सर्वविदित है कि सच लिखने पर अपने मित्रों के साथ-साथ परिजन भी शत्रु बन जाया करते हैं। फिर भी मेरे जैसे निर्भीक साहित्यकार इस तरह का जोखिम उठाया ही करते हैं। पूर्व में मैं अपने इस महत्वकांक्षी पुस्तक को अपनी आत्मकथा के रूप में लिख रहा था। परन्तु मुझे लगा कि मेरे जीवन की व्यक्तिगत कहानी को आज की युवा पीढ़ी क्यों पढ़ेगी? अतः मैंने विचार किया कि क्यों न इस पुस्तक को आत्मकथात्मक इतिहास के रूप में लिखा जाए। मेरे मन में ऐसा विचार आते ही कोरोना काल में मैंने इसे लिखना आरंभ किया। मैं जो भी लिखता, उसे फेसबुक पर पोस्ट कर देता। उस समय मेरे दिमाग में सिर्फ अपना छोटा सा शहर पुपरी ही था। मेरे कुछ मित्रों ने सुझाव दिया कि आप इसे पुपरी अनुमंडल का इतिहास बना दीजिये। कुछ अति उत्साही मित्रों ने तो यहां तक कह दिया कि इसे पूरे सीतामढ़ी जिले का इतिहास बना दिया जाए तो अति उत्तम होगा। परंतु यह मेरे सामर्थ्य से बाहर की बात थी, अतः मैंने सिर्फ पुपरी अनुमंडल तक ही अपने इस इतिहास को सीमित रखा। वैसे सीतामढ़ी जगत जननी मां जानकी की जन्म स्थली होने के कारण पूरे अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर फैला हुआ है। अपने इस इतिहास में मैंने सीतामढ़ी की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं, महत्वपूर्ण व्यक्तियों, महत्वपूर्ण साहित्यकारों की चर्चा करके अपने मित्रों की भावनाओं को समोचित सम्मान देने का प्रयत्न किया है।

पुपरी अनुमंडल में छह प्रखण्ड हैं- पुपरी, सुरसंड, बाजपट्टी, चोरौत, नानपुर और बोखड़ा। इन सभी प्रखंडों का अपना-अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। जहां पुपरी के बारे में मान्यता है कि यहां की पावन धरती पर जगतजननी मां जानकी के पावन पांव पड़े थे, इसलिए इस धरती का नाम पांवपड़ी पड़ा, जो बाद में पुपड़ी या पुपरी हो गया। इसी तरह सुरसंड का नाम पौराणिक काल के किसी राजा सूरसेन के नाम पर पहले सुरसर फिर सुरसंड पड़ा। मैं समझता हूं कि मेरी पीढ़ी से कई पीढ़ी पूर्व के लोगों को भी यह जानकारी नहीं रही होगी कि विश्वविख्यात गणितज्ञ भगवान बोधायन का जन्म बाजपट्टी प्रखण्ड के वनगांव ग्राम में हुआ था। भगवान बोधायन ने पूरी दुनिया को गणित के ऐसे ऐसे सूत्र दिये थे, जिसे आधार मानकर आज वैज्ञानिक चांद और सूरज तक पहुंच रहे हैं। भगवान बोधायन के सूत्रों पर ही पाटलिपुत्र के महान ज्योतिषाचार्य आर्यभट्ट ने यह खोज की थी कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि हम सिर्फ ढ़ोंग और पाखंड में ही उलझे रह गये और अपनी धरती पर उत्पन्न हुए बोधायन जैसे महान गणितज्ञ को भूल गये, जिनके प्रमेय से प्रेरणा लेकर यूनान के महान गणितज्ञ पाईथोगोरस विश्वप्रसिद्ध हो गये।

हमारी पीढ़ी को यह भी पता न होगा कि महाराज जनक के मिथिला राज्य को कर्नाटक से आकर कर्नाट क्षत्रिय कुल के एक महाप्रतापी योद्धा ने पुनः मिथिला राज्य की स्थापना की थी। उनका नाम था महाराज नान्यदेव। उन्होंने अपने नवनिर्मित मिथिला राज्य की राजधानी पुपरी से दक्षिण लगभग 10 किलोमीटर पर अवस्थित नानपुर गांव में बनाई थी। उन्हीं के नाम पर इस गांव का नाम नान्यपुर पड़ा, जो बाद में नानपुर नाम से विख्यात हुआ। इसी तरह सुरसंड प्रखण्ड मुख्यालय में एक अति प्राचीन मंदिर है, जिसे रानी सती स्वर्ण मंदिर के नाम से जाता है। इस मंदिर का निर्माण सुरसंड स्टेट की एक रानी राजवंशी कुंवर ने करवाया था। लोगों का कहना है कि इस मंदिर के निर्माण के बाद रानी राजवंशी कुंवर ने चार मुख्य कारिगरों के हाथ इसलिए कटवा लिए थे, ताकि वे इस तरह का दूसरा मंदिर न बना सकें। बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि इस मंदिर से आज भी आधी रात को पायल की झंकार सुनाई देती है। माना जाता है कि रानी राजवंशी कुंवर की आत्मा इस मंदिर में भटक रही है। इसी तरह चोरौत के नीम बाड़ी में स्थित राम जानकी मंदिर के किसी अत्याचारी महंत के बारे में यह विख्यात है कि वह इतना अत्याचारी, कुकर्मी और ऐय्याश था कि महिलाओं को निर्वस्त्र करके धान की दौनी करवाया करता था। इसी तरह से पुपरी स्थित जैतपुर स्टेट के एक गुमास्ता के व्यभिचार तथा अत्याचार की कहानियां भी विख्यात है।

आजादी की लड़ाई में यहां के उत्साही नौजवानों एवं बुजुर्गों के साथ-साथ माताओं तथा बहनों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। कांग्रेसी स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ क्रांतिकारियों ने भी अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दी थी। पुपरी के जांबाज क्रांतिकारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता शहीद भगत सिंह और शहीद चन्द्रशेखर आजाद द्वारा स्थापित क्रांतिकारी पार्टी 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' के सक्रिय सदस्य थे तथा राष्ट्रीय स्तर पर क्रांतिकारियों द्वारा किये जाने वाले सरकार विरोधी क्रिया कलापों में सम्मिलित हुआ करते थे। बाजपट्टी, मधुरापुर के शहीद रामफल मंडल ने अंग्रेजी हुकूमत के तलवे चाटने वाले कुत्तों को मौत के घाट उतार दिया था। पुपरी की वीरांगना श्रीमती पद्मावती बुबना ने अंग्रेजी हुकूमत के कुत्ते क्रूर दारोगा अर्जुन सिंह को अपने कटार से घायल कर अपनी तथा अपने घर की बहुओं की अस्मत बचाई थी। इस तरह की अनेकों आश्चर्यजनक शौर्य से भरी हुई घटनाएं तथा गरीबों पर ढाए जाने वाले जुल्मों सितम की कहानियां इस क्षेत्र के अतीत के गर्भ समाए हुए हैं, जिन्हें मैं उजागर करने का श्रमसाध्य कार्य कर रहा हूं। इस इतिहास में वर्णित घटनाएं, कहानियां, स्थानों तथा ऐतिहासिक पात्रों के नाम आदि पौराणिक तथा दंत कथाओं से लिए गये हैं।

कुछ प्रसंग बड़े-बुजुर्गों से सुने गये संस्मरणों एवं समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेखों एवं समाचारों पर आधारित हैं। हो सकता है इसमें कुछ अतिशयोक्ति हो या कुछ मनगढंत बातें हों। इसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं। अपने शहर के आधुनिक काल यानि आजादी के बाद के इतिहास में मैंने उन्हीं व्यक्तियों अथवा परिवारों का चित्रण किया है, जिनका सामाजिक क्रियाकलापों, स्वतंत्रता संग्राम, साहित्यिक गतिविधियों, कला और रंगमंच में योगदान रहा है। सामाजिक तथा साहित्यिक संगठनों के साथ-साथ राजनीतिक दलों की गतिविधियों को भी प्रमुखता से स्थान देने का मैने भरसक प्रयत्न किया है। बावजूद इसके, हो सकता है कुछ घटनाएं, संस्थानों तथा महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम मेरी जानकारी में न आए हों, तो आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि उन घटनाओं तथा व्यक्तियों के नामों से मुझे अवगत अवश्य कराएं, ताकि मैं अपनी भूल सुधार सकूं।

चूंकि, इतिहास के साथ-साथ यह मेरी आत्मकथा भी है, इसलिए इसकी शुरुआत मैं अपनी रामकहानी से ही कर रहा हूं। प्रथम अध्याय में मैं अपने बचपन के गर्दिश के दिनों का जिक्र करूंगा। जैसे-जैसे इतिहास बढ़ता जाएगा, वैसे-वैसे मेरी आत्मकथा भी आकार लेती जाएगी।

कॉमेडी का फिर होगा 'वेलकम', वेलकम- 3 का टीजर जारी

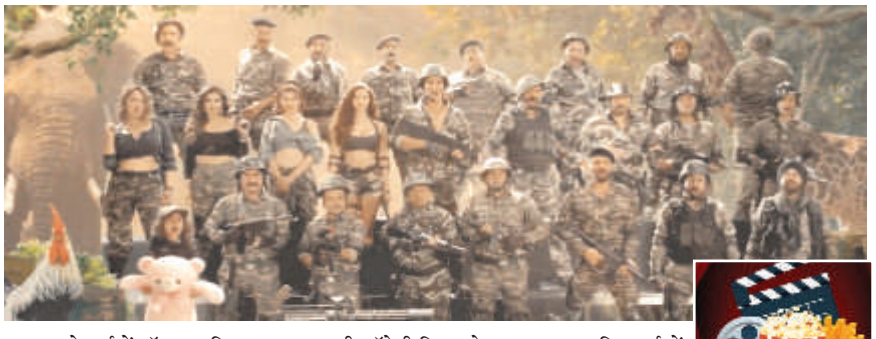

मनोरंजन की खबरें

लगातार दो पार्ट में बॉक्स आफिस पर सफल रही कॉमेडी फिल्म वेलकम एक बार फिर दर्शकों को गुदगुदाने आ रही है। वेकलम-3 का टीजर जारी कर दिया गया है और अगले साल यह मूवी सिनेमाघरों में देखी जा सकेगी। हर साल अक्षय कुमार अपनी कई फिल्में लेकर आते हैं और दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। लेकिन पिछले काफी समय से अक्षय की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप हो रही थीं। हालांकि, कुछ समय पहले ही रिलीज हुई 'ओएमजी 2' हिट फिल्म साबित हुई है। इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, अब एक बार फिर अक्षय अपनी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। आज अक्षय अपना जन्मदिन मना रहे हैं, इस खास मौके पर उन्होंने मोस्ट अवेटेड फिल्म 'वेलकम 3' का टीजर रिलीज कर दिया है। 'वेलकम' फिल्म बॉलीवुड की टॉप कॉमेडी फिल्मों में से एक रही है। 'वेलकम' फिल्म को पहले दो पार्ट हिट रहे हैं। इसी को देखते हुए मेकर्स ने इसके तीसरे पार्ट का एलान किया था। वहीं, अब फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया गया है। 'वेलकम 3' का ऑफिशियल टाइटल 'वेलकम टू द जंगल' है। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसमें दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, सुनील शेट्टी, जॉनी लीवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा जैसे शानदार कलाकार दिखाई देने वाले हैं। लंबे समय के बाद एक बार फिर अक्षय कुमार और रवीना टंडन स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाले हैं। बता दें कि ऐसा पहली बार देखने को मिला है, जिसमें 24 एक्टर्स ने कैपेला परफॉर्म किया हो। सामने आए टीजर में सभी सितारे आर्मी ड्रेस पहने हाथों में गन लिए नजर आए। इस दौरान फिल्म की पूरी कास्ट 'वेलकम 3' का टाइटल सॉन्ग गाती दिख रही है। बीच-बीच में सभी लोग फनी एक्टिविटी भी कर हैं। रवीना टंडन भी बार-बार अक्षय कुमार को टोकती हैं। बता दें कि इस फिल्म के डायरेक्टर अहमद खान हैं। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी फिरोद नाडियाडवाला और ज्योति देशपांडे ने ली है। टीजर को शेयर करने के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान हो गया है। खबरों के अनुसार, यह फिल्म 20 दिसंबर 2024 थिएटर्स में रिलीज होगी।

स्ट्राइडर ने उतारी भारत की पहली मैग्नीशियम साइकिल

टाटा इंटरनेशनल की सब्सिडियरी कंपनी स्ट्राइडर साइकिल्स ने भारत में साइकिलों की कॉन्टिनो रेंज लॉन्च की है। इसमें कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5 टी को पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि ये भारत की पहली मैग्नीशियम फ्रेम वाली साइकिल है। कंपनी ने इसकी कीमत 27,896 रुपए रखी है।

मैग्नीशियम फ्रेम ट्रेडिशनल एल्यूमीनियम फ्रेम की तुलना में हल्के और मजबूत होते हैं, जो ऑफ-रोडिंग के लिए आईडियल माने जाते हैं। ये वाइब्रेशन को ज्यादा अब्जॉर्ब करता है। इससे राइडिंग आरामदायक होती है। नई साइकिल में डुअल डिस्क ब्रेक, स्मूथ गियर शिफ्टिंग के लिए फ्रंट और रियर डिरेलियर, लॉक-इन/लॉक-आउट टेक्नीक के साथ फ्रंट सस्पेंशन फोर्क शामिल हैं। इसकी टॉप स्पीड 21 केएमपीएच है।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
कितने भी वनरोपण कर लें
लाखों पौध लगा भू भर लें
प्राकृतिक वन नहीं बनेंगे
कब जाकर हम यह समझेंगे

प्राकृतिक वन के बदले में
कुछ भी चीज हमें ना हो स्वीकार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल के भीतर कई जंगल
जंगल बाहर भी जंगल
कचड़ों के जंगल में डूबे
जहाँ-तहाँ कंक्रीटी जंगल

वृक्षों वाले जंगल हर्षित
कंक्रीटा जंगल अवसादी-भार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

जी-20 सम्मेलन की सफल मेजबानी बड़ी कूटनीतिक जीत

भारत पुनः विश्वगुरु

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारत बदल चुका है। भारत की तकदीर और तस्वीर भी आज बदल चुकी है। ऐसा बदलाव, जिसने आज भारत को एक बार पुनः विश्वगुरु और विश्व बंधुत्व के अगुवा के रूप में स्थापित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में जी-20 की सफल मेजबानी ने पुनः विश्वगुरु और विश्वबंधु दोनों रूपों में भारत के कौशल को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। इस सम्मेलन के जरिए हमने दुनिया के सामने भारत का नेतृत्व-कौशल साबित कर दिखाया। ऐसा कौशल, जिससे भारत पर आज पूरी दुनिया का एक भरोसा बन चुका है। पूरे विश्व में भारत का रुतबा विश्व-गुरु के तौर पर बढ़ा है। भारत ने जी20 सम्मेलन के जरिये पूरी दुनिया को एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का वो मंत्र दिया है, जिसका विश्व की महाशक्तियां दिल खोलकर स्वागत कर रही हैं। नई दिल्ली के भारत मंडपम में पूरी दुनिया एक मंच पर जुटी और भारत ने उन सभी का नेतृत्व किया। महाशक्तियों के इस जमावड़े में सभी ने भारत का लोहा माना।

जीबीए की घोषणा एक ऐतिहासिल पल : जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वैश्विक जैवईंधन गठबंधन (जीबीए) की घोषणा के साथ वैश्विक ऊर्जा के क्षेत्र में आज एक ऐतिहासिक पल दर्ज हुआ। जीबीए जैव ईंधन को अपनाने की सुविधा के लिए सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और उद्योग का गठबंधन विकसित करने के लिए भारत के नेतृत्व वाली एक पहल है। जैव ईंधन के विकास और इसकी पहुंच बनाने के लिए जैव ईंधन के सबसे बड़े उपभोक्ताओं और उत्पादकों को एक साथ लाते हुए, इस पहल का उद्देश्य जैव ईंधन को एनर्जी ट्रांसमिशन की कुंजी के रूप में स्थापित करना है। साथ ही नौकरियों और आर्थिक विकास में योगदान देना भी इसका उद्देश्य है।

ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ निवेश-व्यापार पर समझौता

ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वार्ता में दोनों देशों के बीच निवेश और व्यापार की नई संभावनाओं पर चर्चा हुई। सुनक ने कहा कि एक बेहतर और खुशहाल धरती के लिए भारत-ब्रिटेन सहयोग बढ़ाएंगे। जापान के पीएम फुमियो किशिदा के साथ वार्ता में भी व्यापार और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस शिखर सम्मेलन के जरिए दुनियाभर से देश में निवेश के नए द्वार खोलने में मदद मिली है। दुनिया की 85 प्रतिशत जीडीपी, 75 प्रतिशत ग्लोबल व्यापार और 60 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले जी-20 देशों की अध्यक्षता कर भारत एक वैश्विक नेता के रूप में उभरकर सामने आया है।

दुनिया के हर धर्म ने यहां पाया है सम्मान : मोदी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत, आस्था, अध्यात्म और परंपराओं की डायवर्सिटी की भूमि है। दुनिया के अनेक बड़े धर्मों ने यहां जन्म लिया है। दुनिया के हर धर्म ने यहां सम्मान पाया है। 'मदर आफ डेमोक्रेसी' के रूप में, संवाद और लोकतान्त्रिक विचारधारा पर अनंत काल से हमारा विश्वास अटूट है। हमारा वैश्विक व्यवहार, 'वसुधैव कुटुम्बकम', यानि वर्ल्ड इज वन फैमिली के मूल भाव पर आधारित है। विश्व को एक परिवार मानने का यही भाव, हर भारतीय को वन अर्थ के दायित्व-बोध से भी जोड़ता है।

अब जी-20 हुआ जी-21

भारत के नेतृत्व में जी-20 को शगुन का अंक 21 मिल गया। जी-20 अब जी-21 हो गया। समिट के दौरान भारत ने अफ्रीकी यूनियन को स्थायी सदस्य के रूप में जोड़कर दुनिया को जी-21 का शगुन दे दिया।

भारत के मंडपम में दुनिया ने देखी हमारी गौरवशाली संस्कृति

आजादी के बाद भारत में सबसे बड़ा यूनेस्को सम्मेलन हुआ था। लगभग 64 साल बाद जी- 20 समिट के जरिए भारत ने दुनिया के सामने पेश किया कि अब हम याचना करने वाले देश नहीं रह गये हैं। भारत की राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जी 20 सम्मेलन को दशकों तक याद रखा जाएगा। भारत की सनातन संस्कृति और परंपरा को प्रदर्शित करने के साथ-साथ जिस प्रकार भारत मंडपम में देश के गौरवशाली अतीत की झलक दिखी, उसने पूरी दुनिया का मन मोह लिया। सोने-चांदी की थालियों में भोजन करना जैसी खातिरदारी शायद ही कहीं उन्हें मिल पाई होगी। आजादी के बाद संभवतः पहली बार ऐसा अवसर रहा जब इतनी बड़ी तादाद में विदेशी मेहमान और राष्ट्राध्यक्ष यहां पहुंचे और उन्होंने बदले भारत की बदली हैसियत को देखा और सराहा।

शांति-दूत के रूप में प्रेम व भाइचारे का पक्षधर बन उभरा भारत

भारत के विचारों को कितनी प्रमुखता मिली इसका अंदाजा इस सम्मेलन में पारित हुए प्रस्तावों और निर्णयों से ही लगाया जा सकता है। अगर नई दिल्ली घोषणापत्र को देखें तो सभी सदस्य देशों ने भारत के विचारों को न सिर्फ सराहा, बल्कि जगह भी दी। शायद ही ऐसा कोई नेता रहा हो, जिसने पीएम मोदी के विचारों, यूं कहें कि भारत के नजरिए से अलग रहा हो। देश और चेहरे भले ही अलग अलग नजर आए, लेकिन भारत की जमीन पर अलग-अलग विचार मिलकर एक साझा आवाज बन गए। 100 से अधिक मुद्दों पर आम सहमति बनी, वो भी उस समय, जब अमेरिका-चीन के बीच तनाव चरम पर है। वहीं, रूस- यूक्रेन एक दूसरे से उलझे हुए हैं। शांतिदूत और प्रेम-सद्भाव का संदेशवाहक बन भारत की भूमिका तब महत्वपूर्ण हो गई, जब भारत ने सदस्य देशों के साथ आपसी बातचीत में कूटनीति का सफल प्रयोग किया। सदस्य देशों में चीन, यूक्रेन-रूस के मुद्दे पर असहमति के कई बिंदु थे, खासतौर से यूक्रेन के मुद्दे पर चीन के रुख में बड़ा बदलाव आया। वो बातचीत के लिए तैयार हुआ। उससे पहले वो रूस के रुख को ज्यादा महत्व दे रहा था। अब जब चीन का नजरिया बदला तो रूस के लिए अकेले प्रतिवाद करना संभव नहीं रहा। रूस को संकेत दिया कि एकतरफा कोई बात नहीं की जाएगी, अगर सदस्य देश लचीला रुख अपनाएंगे तो उसका रुख भी लचीला बना रहेगा। इधर, रूस-यूक्रेन युद्ध मामले में भी भारत के फैसले की ताकत का अहसास पूरी दुनिया ने किया। यह साबित कर दिया कि अब हम निर्णय लेने और उसे प्रभावित करने की क्षमता भी रखते हैं। जिस तरह से दो आर्थिक गलियारों को बनाए जाने की सहमति बनी और उसके साथ ही यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत ने एक बार स्पष्ट तौर पर कहा कि 21वीं सदी में लड़ाई के लिए कोई जगह नहीं है। हमें परस्पर सहयोग के जरिए आगे बढ़कर वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार करना है।

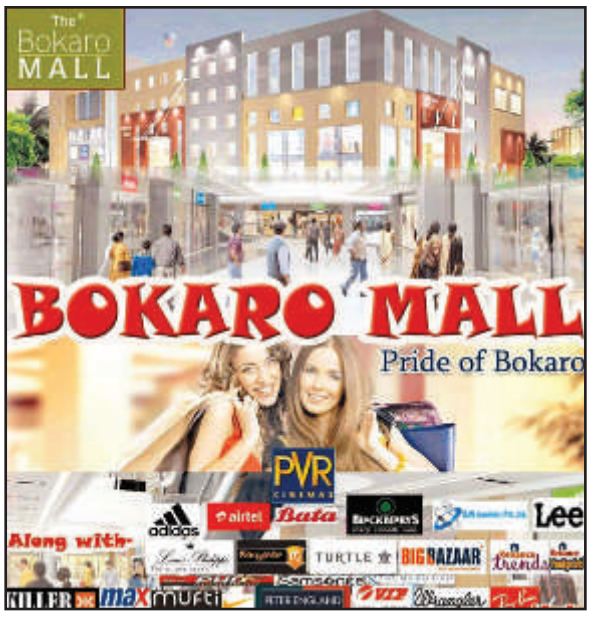

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)